Website:www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष - 21 अंक-329, जगदलपुर, बुधवार, 11 सितम्बर 2019 पृष्ठ- 8, मूल्य-₹ 2.00 • जगदलपुर • रायपुर • बिलासपुर से प्रकाशित

सेल सेल सेल

देवांगन बैग हाऊस

शहर की सबसे सस्ती दुकान

हाता ग्राउण्ड के सामने कपूर बेकरी के बगल में

जगदलपुर मो. 9424275800, 7566006605

गरिलेशनशिप में हैं तापसी ...

ब्रेकिंग न्यूज

भूकंप के तेज झटकों से हिला फिलीपींस

सारंगानी, 11 सितम्बर (एजेंसी)। फिलीपींस में रविवार को तेज भूकंप आ गया। फिलीपींस के सारंगानी में रविवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.8 मापी गई। यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार भूकंप रात 11 बजकर 32 मिनट पर आया।

9/11 की 18वीं बरसी पर काबुल में अमेरिकी दूतावास पर आतंकी हमला

काबुल, 11 सितम्बर (एजेंसी)। 9/11 की 18वीं बरसी पर अफगानिस्तान में अमेरिकी दूतावास पर रॉकेट से हमला किया गया है। हमला काफी खतरनाक बताया जा रहा है, इसकी तीव्रता भी ज्यादा थी। अमेरिका में 9/11 हमले की बरसी पर बुधवार तड़के अमेरिकी दूतावास के पास अफगानिस्तान की राजधानी में एक बड़ा विस्फोट हुआ। लेकिन परिसर के अधिकारियों ने लगभग एक घंटे बाद सभी को स्पष्ट घोषित कर दिया और कोई घायल नहीं होने की सूचना दी। यह एक रॉकेट हमला था। हालांकि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। अफगान अधिकारियों की ओर से कोई तत्काल टिप्पणी नहीं की गई है। नाटो मिशन ने कहा कि कोई भी कर्मी घायल नहीं हुआ है। तालिबान शांति वार्ता को रद किए जाने के फैसले के बाद अफगानिस्तान की राजधानी में पहला बड़ा हमला है। पिछले हफ्ते के अंत में ट्रंप ने अचानक यूएस-तालिबान वार्ता को अचानक बंद कर दिया था।

3 मंजिला इमारत गिरी, 17 लोगों को निकाला गया

मुंबई, 11 सितम्बर (एजेंसी)। दक्षिण मुंबई में देर रात 3 मंजिला इमारत गिर गई। मलबे में 20 से ज्यादा लोगों के दबे होने की आशंका है। मलबे से 17 लोगों को बाहर निकाला गया है। राहत और बचाव कार्य जारी है। जानकारी के मुताबिक मंगलदास रोड की लोहार चॉल में यूसुफ नाम की इमारत मंगलवार रात अचानक भभराकर गिर गई। जानकारी के मुताबिक इस इमारत का निर्माण 1959 से पहले हुआ था। ये इमारत राज्य आवास एजेंसी म्हाडा के अधिकार क्षेत्र में है।

एनआरसी से एक भी भारतीय नहीं छूटेगा: स्मृति

कोलकाता, 11 सितम्बर (एजेंसी)। केंद्रीय कपड़ा एवं महिला व बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर का विरोध करने पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा की अगुआई वाली सरकार देश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी

कहा कि अवैध घुसपैठ से कानून के मुताबिक निपटा जाएगा। मंगलवार को महानगर में मीडिया से मुखातिब स्मृति ने कहा-%एक भी भारतीय नहीं छूटेगा। हम देश के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनआरसी का विरोध करने को लेकर ममता पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह अवैध घुसपैठ पर उनके रुख के विरोधाभास को दर्शाता है। ममता द्वारा केंद्र सरकार की योजनाओं का विरोध जगजाहिर है। उनका आक्रामक रवैया राज्य के लोगों को केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराए जाने वाले लाभ से वंचित रख रहा है, जो कि किसानों, महिलाओं और बच्चों को मिल सकते थे। उन्होंने आगे कहा-बंगाल सरकार द्वारा उद्योगों की स्थापना रोक दी गई है। बंगाल में लोकसभा चुनाव के नतीजों ने दिखा दिया है कि राज्य की जनता बदलाव चाहती है।

तेज हुई टीडीपी-वाईएसआरसीपी के बीच राजनीतिक लड़ाई, चंद्रबाबू नायडू बेटे संग नजरबंद

अमरावती, 11 सितम्बर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में मौजूदा वाईएसआरसीपी सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम पार्टी के बीच जारी टकराव ने बड़ा मोड़ ले लिया। पूर्व सीएम नायडू पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ गुंटूर जिले में सरकार के विरोध में रैली करने वाले थे। हालांकि, रैली की इजाजत न मिलने पर उन्होंने भूख हड़ताल करने का फैसला किया जिसके बाद उन्हें और उनके बेटे नर लोकेश को उनके घर में ही नजरबंद कर दिया गया है।

दरअसल, टीडीपी ने आज गुंटूर के पलनाडु में चलो आत्मकूरु रैली बुलाई थी। पार्टी वाईएसआरसीपी सरकार में राजनीतिक हिंसा के आरोप में रैली करने वाली थी। हालांकि, आंध्र प्रदेश पुलिस ने पार्टी को रैली की इजाजत दिए जाने से इनकार कर दिया और नरसरावपेटा, सत्तेनापल्ले, पलनाडु और गुराजला में धारा 144 लागू कर दी गई। पुलिस ने राज्य में टीडीपी के कई नेताओं को भी नजरबंद कर दिया।

टीडीपी चीफ चंद्रबाबू नायडू सुबह 9 बजे आत्मकूरु के लिए निकलने वाले थे लेकिन उन्हें रोक दिया गया। इसके बाद उन्होंने अपने घर पर ही 12 घंटे तक भूख हड़ताल का ऐलान किया। उन्होंने टीडीपी कार्डर से भी भूख हड़ताल रखने को कहा।

बाद में उन्हें और उनके बेटे नर लोकेश को नजरबंद कर दिया गया। टीडीपी के साथ ही वाईएसआरसीपी के नेताओं को भी नजरबंद किया गया है ताकि उन्हें टीडीपी के जवाब में रैली करने से रोका जा सके। टीडीपी कार्डर ने रैली की इजाजत न देने और नायडू को नजरबंद किए जाने के बाद उनके घर पर जमकर नारेबाजी की।

भारत ने यूएनएचआरसी में पाक को लगाई कड़ी फटकार, कहा- जम्मू-कश्मीर पर संसद का फैसला संप्रभु निर्णय

जेनेवा, 11 सितम्बर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने का मुद्दा उठाने पर भारत ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान को कड़ी फटकार लगाई है। भारत ने पाकिस्तान के दुर्भावनापूर्ण अभियान को दृढ़ता से खारिज करते हुए मंगलवार को यूएनएचआरसी में कहा कि जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करना भारतीय संसद द्वारा किया गया एक संप्रभु निर्णय है। भारत अपने आंतरिक मामले में कोई हस्तक्षेप स्वीकार नहीं कर सकता।

विदेश मंत्रालय के पूर्वी मामलों की सचिव विजय ठाकुर सिंह ने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि मानवाधिकारों के बहाने दुर्भावनापूर्ण राजनीतिक एजेंडे के लिए यूएनएचआरसी का दुरुपयोग करने वालों की निंदा किए जाने की जरूरत है।

यूएनएचआरसी के 42वें सत्र में उन्होंने कहा कि दूसरे देशों में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों पर बात करने वालों को अपने देश का हाल देखना चाहिए। जब वास्तव में वे खुद षड्यंत्रकारी होते

हैं तो स्वयं को पीड़ित बताने लगते हैं। भारत द्वारा हाल में जम्मू-कश्मीर में उठाए गए कदम पर उन्होंने कहा, ये निर्णय हमारी संसद ने व्यापक चर्चा के बाद किए, जिसका टेलीविजन पर प्रसारण हुआ और इसे व्यापक समर्थन मिला। हम दोहराना चाहते हैं कि संसद द्वारा पारित अन्य कानूनों की तरह यह एक संप्रभु निर्णय है, जो पूरी तरह भारत का आंतरिक मामला है। कोई भी देश अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप स्वीकार नहीं कर सकता है। भारत तो बिल्कुल भी नहीं।

असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को भी सिंह ने भारत के सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में उठाया गया वैधानिक, पारदर्शी और बिना भेदभाव के उठाया गया कदम बताया। इससे पहले पाकिस्तान ने मांग की थी कि यूएनएचआरसी को कश्मीर में मौजूदा स्थिति को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर की जांच करानी चाहिए। पाकिस्तान ने वैश्विक संगठन से आग्रह किया कि भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद यूएनएचआरसी को चुप नहीं बैठना चाहिए।

130 से अधिक नेता नहीं लड़ पायेंगे नगरीय निकाय चुनाव

निर्वाचन आयोग के इस निर्देश की सुगबुगाहट से मचा हड़कंप

रायपुर, 11 सितम्बर (हाईवे चैनल)। निकाय चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अब चेहरे को सामने रखकर चुनावी रण में उतरने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बीच सूत्रों के हवाले से मिल रही खबर के मुताबिक निर्वाचन आयोग के एक निर्देश ने प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं की नींद उड़ा दी है। बता दें कि नगरीय निकाय चुनाव के लिए अब कुछ ही महीने बचे हैं। इस लिहाज से अब मेयर सीट के साथ वार्ड पार्षद लिए दावेदारी की जा रही है। इन सबके बीच निर्वाचन आयोग का एक दिशा निर्देश ने कई नेताओं की दावेदारी को ही ठंडा कर दिया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक निर्वाचन आयोग ने विभिन्न राजनीतिक दलों के 130 से ज्यादा नेताओं के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। निर्वाचन आयोग ने अपराधिक प्रकरण, कोर्ट के स और आर्थिक अनियमितता की शिकायत वाले नेताओं पर चुनाव लड़ने से रोक लगा दी है। निगम चुनाव लड़ने की तैयारी में लगे नेताओं में इस खबर के बाद हड़कंप मच गया है। उम्मीद की जा रही है इस संबंध में निर्वान आयोग जल्द दिशा निर्देश जारी करेगा।

गुजरात ने 90 प्रतिशत तक कम किया ट्रैफिक जुर्माना, बाकी राज्य भी घटाएंगे

गांधीनगर, 11 सितम्बर (एजेंसी)। केंद्र सरकार द्वारा मोटर वीइकल्स ऐक्ट में संशोधन के महज 10 दिन बाद गुजरात सरकार ने मंगलवार को कई जुर्माने घटा दिए। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर केंद्र के बढ़ाए जुर्माने को राज्य सरकार ने 25 प्रतिशत से 90 प्रतिशत तक कम कर दिया है।

मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने इसके लिए मानवीय आधार को कारण बताया है। माना जा रहा है कि इसे देखने के बाद अब दूसरे राज्य भी जुर्माना घटा सकते हैं। बता दें कि नए मोटर वीइकल ऐक्ट में राज्यों को कुछ जुर्माने घटाने का अधिकार दिया गया है। गुजरात में नए जुर्माने 16 सितंबर से लागू होंगे।

हालांकि, सरकार ने शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक सिग्नल तोड़ने का जुर्माना नहीं बदला है क्योंकि इनमें बदलाव का प्रावधान नहीं दिया गया है। बता दें कि अभी तक यह ऐक्ट कांग्रेस शासित राज्यों छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और पंजाब के अलावा गुजरात में लागू नहीं हुआ था। कर्नाटक सरकार का भी कहना है कि अगर दूसरे राज्य जुर्माना कम करते हैं, तो वहां भी विचार किया जाएगा। गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस के शासन वाले पश्चिम बंगाल और कांग्रेस शासित मध्य प्रदेश एवं राजस्थान जैसे गैर-बीजेपी शासित राज्यों ने पहले ही जुर्माने की रकम में इतने बड़े इजाफे पर सवाल उठा चुके हैं। राजस्थान सरकार ने नया कानून तो लागू कर दिया, लेकिन जुर्माने की बढ़ी रकम पर विचार करने की बात कही।

अनुच्छेद 370 हटाना सबसे बड़ी उपलब्धि, पीओके हमारा अगला अजेंडा: जितेंद्र सिंह

जम्मू, 11 सितम्बर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के बाद अब केंद्र सरकार के अजेंडे में पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा है कि हमारा अगला अजेंडा पीओके को भारत का अभिन्न हिस्सा बनाना है। उधमपुर-कठुआ लोकसभा सीट से चुनकर आने वाले जितेंद्र सिंह ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के मुद्दे पर कहा, यह केवल मेरी या मेरी पार्टी की प्रतिबद्धता नहीं है बल्कि यह 1994 में पी. वी. नरसिंह राव के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा सर्वसम्मति से पारित संकल्प है। यह एक स्वीकार्य रुख है।

अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान समाप्त करने पर पाकिस्तान की ओर से शुरू किए गए दुष्प्रचार अभियान पर प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि विश्व का रुख भारत के अनुकूल है। उन्होंने कहा, कुछ देश जो भारत के रुख से सहमत नहीं थे, अब वे हमारे रुख से सहमत हैं। सिंह ने कहा कि कश्मीर में आम आदमी मिलने वाले लाभों को लेकर खुश है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कश्मीर न तो बंद है और ना ही कर्फ्यू के साए में है, बल्कि वहां सिर्फ कुछ पाबंदियां लगी हुई हैं। सिंह ने देश विरोधी ताकतों को चेतावनी दी कि उन्हें जल्द उस मानसिकता को बदलना होगा कि वे कुछ भी करने के बाद बच निकलेंगे। सिंह ने पत्रकारों से कहा, हमें ऐसे बयानों की निंदा करने की जरूरत है। कश्मीर बंद नहीं है। वहां कर्फ्यू नहीं है। अगर कर्फ्यू होता तो लोगों को 'कर्फ्यू पास' के साथ बाहर निकलना होता। उन्होंने कहा कि कश्मीर में धीरे-धीरे हालात सामान्य हो रहे हैं।

कालर वाली बात से आ रही साजिश की धमक : कवासी

रायपुर, 11 सितंबर (हाईवे चैनल)। मंत्री से मिलिए कार्यक्रम में शामिल होने उद्योग एवं आबकारी मंत्री कवासी लखमा कांग्रेस भवन पहुंचे हुए थे। जहां उन्होंने पत्रकारों से चर्चा करते हुए विभिन्न जानकारियां सामने रखी। पिछले दिनों मंत्री की एक वीडियो वायरल हुई थी जिसको लेकर काफी चर्चाओं का बाजार गरम था। वहीं उक्त वीडियो को लेकर मंत्री का कहना था कि इसमें साजिश की बू आ रही है उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है। वे काफी गरीब परिवार से नाते रखते है उनका प्रयास है कि बस्तर जो पिछड़ा हुआ है उसे आगे लाया जाए। जिसके चलते वे जब भी बस्तर दौरे पर रहते है कि विभिन्न स्कूल व हास्टलों में पहुंचते है। क्योंकि उनको एक पीड़ा हमेशा रहती है कि वे कभी स्कूली नहीं गए। उनका प्रयास रहता है कि क्षेत्र के बच्चे अच्छे से पढ़ लिख सके और कुछ बन सके। जब वे स्कूलों में पहुंचते है तो बच्चों से बात करते है और उनसे पूछते है कि आगे चलकर क्या बनना चाहोगे जिसमें ज्यादातर बच्चे शिक्षक, पुलिस व पटवारी बनने की बात कहते है। कुछ बच्चे नेता बनने की भी ख्वाइश जताते है। पिछले दिनों एक बच्चे ने उनसे

वीडियो तोड़ मरोड़ कर किया गया पेश

नेता कैसे बनने की बात पूछी जिस पर उन्होंने कहा कि विभिन्न जमीनी स्तर लड़ाई के साथ-साथ जनता से होने वाले अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने से उन्हें एक पहचान मिली जिससे राजनीति में उनका कद लगातार बढ़ता रहा और जनता के समस्याओं को लेकर वे हमेशा आगे रहे।

वहीं श्री लखमा का कहना था कि उनके द्वारा बच्चों से कही गई बात को तोड़ मरोड़कर वीडियों में प्रस्तुत किया गया है। जिससे उन्हें बदनाम करने की साजिश की गई है। यह पहली बार नहीं है इससे पहले भी उनके ऊपर कई आरोप लगाए गए है। लेकिन साजिशकर्ता हमेशा नाकाम रहे है। उन्होंने उद्योग नीति के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 15 सालों में सिर्फ पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बिल्डिंगे बनाई गई। उद्योगों को कभी भी बढ़ावा नहीं दिया गया। नई सरकार उद्योगों को लेकर लगातार प्रयास कर रहे है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री व्यापारियों के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे जहां उन्होंने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न घोषणाएं भी की। सुकमा में उद्योग नगर के साथ-साथ मुंगेली, लौंडीगुडा में फूड प्रोसेसिंग प्लांट को लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है। राज्य सरकार के द्वारा उद्योगों के बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे है। युवाओं को रोजगार देने के लिए लगातार भर्तियां चल रही है। शिक्षक, पटवारी, पुलिस में विभिन्न पदों पर भर्तियां होनी है। सरकार ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार देने के प्रयास में लगी हुई है। दंतेवाड़ा चुनाव को लेकर उनका कहना था कि दंतेवाड़ा चुनाव में पदाधिकारियों से लेकर एक-एक कार्यकर्ता प्रभारी है। मै उनमें से एक हूं। अंतागढ़ टेपकांड मामले में कहा कि बीजेपी कानून तोड़ने वाली पार्टी है। अंतागढ़ का सच सबके सामने आ गया है और बीजेपी की असिलियत भी सामने आ गई है। कांग्रेस पार्टी गांधी के रास्ते पर चलने वाली पार्टी है। युवाओं को रोजगारवान बनाने के लिए राजीव गांधी के नाम से एक योजना की शुरुआत की जा रही है। जिसमें उन्हें विभिन्न प्रकार के रोजगार संबंधित प्रशिक्षण दिए जाएंगे।

जिसकी शुरुआत होने वाली है। इसमें अंबिकापुर, दुर्ग, बस्तर में हास्टलों का निर्माण किया जाएगा जहां बच्चों को रोजगार से संबंधित जानकारियां दी जाएंगी।

जलियांवाला बाग मेमोरियल में दंडवत हुए कैंटरबरी के आर्क बिशप, जताई शर्मिंदगी

अमृतसर, 11 सितम्बर (एजेंसी)। कैंटरबरी के आर्क बिशप जस्टिन वेल्बी मंगलवार को पंजाब में जलियांवाला बाग मेमोरियल पहुंचे। उन्होंने कहा कि 1919 में जलियांवाला बाग में हुए नरसंहार के लिए वह बहुत शर्मिंदा और दुखी हैं। ईश्वर से माफ कर देने की प्रार्थना करते हुए जस्टिन वेल्बी जमीन पर दंडवत मुद्रा में लेट गए। उन्होंने बार-बार इस घटना पर दुख जताया।

नरसंहार में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के बाद जस्टिन वेल्बी ने कहा, मैं ब्रिटिश सरकार के लिए तो कुछ नहीं कह सकता। ना ही मैं सरकार का प्रवक्ता हूं लेकिन मैं ईश्वर के नाम पर बोल सकता हूं। यह पाप और मुक्ति का स्थान है। आपने याद रखा है कि उन्होंने क्या किया और उनकी यादें जिंदा रहेंगी। यहां हुए अपराध और उसके प्रभाव को लेकर मैं बहुत दुखी और शर्मिंदा हूं। धार्मिक नेता होने के चलते मैं इसपर शोक व्यक्त करता हूं। अपने दस दिवसीय भारत दौरे के आखिरी चरण में बिशप ने कहा, मैं एक धर्मगुरु हूं, राजनीतिज्ञ नहीं। एक धार्मिक नेता के रूप में, मैं त्रासदी पर शोक मनाता हूं। यहां मैं लोगों के दुख को महसूस करने और ब्रिटिश लोगों की गोलियों से मारे गए लोगों की मौत पर पछतावा व्यक्त करने आता हूं। आर्कबिशप ने यहां विजिटर बुक में इस अत्याचार को लेकर एक बार फिर से अपनी भावनाएं नहीं रोक सके।